Content

:: अनुक्रमणिका ::

प्रथम अध्याय : विषय-प्रवेश :

प्रास्ताविक – उपन्यास के व्यावर्तक लक्षण : उसका गद्य विधा में होना, उसकी यथार्थधर्मिता, परिवेश की यथार्थता, यथार्थ चरित्र-सृष्टि, यथार्थ भाषा-शैली-हिन्दी की औपन्यासिक प्रवृत्तियों में पौराणिक उपन्यास का स्थान – हिन्दी उपन्यास तक की यात्रा में विभिन्न पौराणिक उपन्यास – निष्कर्ष – संदर्भानुक्रम।

द्वितीय अध्याय : "पौराणिक उपन्यास : परिभाषा और विभावना" :

प्रास्ताविक – पौराणिक उपन्यास की विभावना – इतिहास के प्रमुख अभिलक्षण – पुराण के अभिलक्षण – इतिहास और पुराण का अंतर – पौराणिक उपन्यास : परिभाषा – पौराणिक उपन्यासों की प्रमुख आवश्यकताएं – मिथक-कथाओं का संयोजन – संस्कृति – निर्माण में मिथकों की उपयोगिता – निष्कर्ष – संदर्भानुक्रम।

तृतीय अध्याय : डॉ. नरेन्द्र कोहली के रामायण और महाभारत पर आधारित पौराणिक उपन्यास :

प्रास्ताविक – डॉ. कोहली : प्रमुख पौराणिक उपन्यासकार – रामायण की कथावस्तु पर आधारित उपन्यास :

- दीक्षा
- अवसर
- संघर्ष की ओर
- युद्ध भाग-1 और 2

डॉ. कोहली के महाभारत पर आधारित उपन्यास :

- बंधन
- अधिकार
- कर्म
- धर्म
- अंतराल
- प्रच्छन्न

- प्रत्यक्ष
- निर्बन्ध

निष्कर्ष : संदर्भानुक्रम ।

<u>चतुर्थ अध्याय : अन्य पौराणिक उपन्यास :</u>

प्रास्ताविक – आलोच्य उपन्यास – अनामदास का पोथा (आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी) – वयं रक्षामः (आचार्य चतुरसेन शास्त्री) – अपने अपने राम (डॉ. भगवान सिंह) – प्रथम पुरुष – पुरुषोत्तम – पवनपुत्र (डॉ. भगवतीशरण मिश्र) – अभिज्ञान (डॉ. नरेन्द्र कोहली) – सुतो वा सुत पुत्रो वा (डॉ. बच्चनसिंह) – संभवामि (सन्हैयालाल ओझा) – एकदा नैमिषारण्ये (अमृतलाल नागर) ।

- मनु शर्मा के पौराणीक उपन्यास
- निष्कर्ष
- संदर्भानुक्रम ।

<u>पंचम् अध्याय : पौराणीक उपन्यासों में निरूपित मिथक-कथाओं और चमत्कारों की व्याख्या</u>

प्रस्ताविक – आलोच्य उपन्यासों में मिथक कथाओं की व्याख्या – आलोच्य उपन्यासों में चमत्कारपूर्ण घटनाओं की व्याख्या – निष्कर्ष – संदर्भानुक्रम ।

<u>षष्ठ अध्याय : पौराणिक उपन्यासों में निरूपित परिवेश</u>

प्रास्ताविक – भौगोलिक परिवेश – कालगत परिवेश – सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवेश – आलोच्य उपन्यासों में निरूपित सामाजिक व्यवस्था – सामाजिक – धार्मिक-नैतिक मान्यताएं – सामाजिक-धार्मिक प्रथाएं और मान्यताएं – मानवमूल्य – निष्कर्ष – संदर्भानुक्रम।

<u>सप्तम् अध्याय : उपसंहार</u>

- शोध-प्रबंध की उपादेयता
- शोध-प्रबंध का सार-संक्षेप
- निष्कर्ष
- भविष्यत् संभावनाएं ।

ग्रन्थानुक्रमणिका (Bibliography) :

(1)	परिशिष्ट – 1	:	उपजीव्य ग्रन्थों की सूची
(2)	परिशिष्ट – 2	:	संदर्भ ग्रन्थ सूची (संस्कृत)
(3)	परिशिष्ट – 3	:	संदर्भ ग्रन्थ सूची (हिन्दी)
(4)	परिशिष्ट – 4	:	संदर्भ ग्रन्थ सूची (अंग्रेजी)
(5)	परिशिष्ट – 5 सूची	:	कोशग्रन्थों और शब्द्कोशों की
(6)	परिशिष्ट – 6	:	पत्र-पत्रिकाएं ।

* * *